Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to name any Ministry or Government scheme in the name of Shaheed Bhagat Singh -laid.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): धन्यवाद, चेयरपर्सन साहब।

सर, चेयर से आज आपने शहीदे आज़म भगत सिंह जी को याद किया है। भगत सिंह जी की शहादत को, अपनी कुर्बानी दिए हुए, आज 23 मार्च, 1931 को 89 साल पूरे हो गए हैं। इनके साथ राजगुरू और सुखदेव को भी लाहौर जेल में फांसी दी गई थी। मैं अपनी पार्टी की तरफ से और सारे देशवासियों की तरफ से इनको सेल्यूट करता हूं। इनके परिवार ने उस समय इनको शादी के लिए बोला था, लेकिन फर्क देखिए कि क्यों जरूरी है आज उनको याद रखना, उन्होंने कहा था कि अगर देश गुलाम रहेगा तो मेरी शादी सिर्फ मौत से होगी और जिस दिन देश आज़ाद होगा, उस दिन मेरी शादी होगी। ये ऐसे लोग थे। आज हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि इन्होंने जो कुर्बानी दी है, उसे कैसे बचाकर रखना है। हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि वे जो विरासत छोड़कर गए हैं, हम सब जो इस हाउस में बैठे हैं, उसे कैसे सुरक्षित रखना है, बचाकर रखना है, उसमें हम शायद कहीं न कहीं स्लिप कर रहे हैं।

दूसरी बात, हर नाम के ऊपर बड़ी-बड़ी स्कीम्स के नाम रखे जाते हैं। आज भगत सिंह जी के नाम पर सरकार की कोई बड़ी से बड़ी स्कीम एनाउंस होनी चाहिए। भगत सिंह जी के नाम स्कीमें क्यों नहीं होती हैं? आज दुनिया इस दिन को मना रही है। यहां मिनिस्टर साहब बैठे हैं, क्यों न आज भगत सिंह जी के नाम कोई बड़ी मिनिस्ट्री अपनी किसी स्कीम का नाम रखे और उनको श्रद्धा के फूल भेंट किए जाएं। धन्यवाद।